



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 146]  
No. 146]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 1985/चैत्र 9, 1907  
NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985/CHAITRA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1985

अधिसूचना

सं. 115/85-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 330 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, किसी क्रीड़ा या खेल के संबंध में आयोजित किसी अन्तर्राष्ट्रीय खेल या प्रतियोगिता में भारत सरकार के युवा कार्य और क्रीड़ा विभाग के अनुमोदन से भाग लेने वाले भारतीय दल के किसी सदस्य द्वारा जीते गए पुरस्कारों को, जब उनका भारत में आयात किया जाए :—

- (क) उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुल्क से, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है ; और
- (ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 की अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से;

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) आयातकर्ता निकासी के समय भारत सरकार के युवा कार्य और क्रीड़ा विभाग के उप-सचिव से अनिमित्त के किसी अधिकारी का इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि,—
- (क) आयातकर्ता ऐसे भारतीय दल का सदस्य है जिस पर उक्त विभाग के अनुमोदन से, किसी क्रीड़ा या खेल के संबंध में आयोजित किसी अन्तर्राष्ट्रीय खेल या प्रतियोगिता में भाग लिया था और उसने ऐसे खेल या प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता है ; और
- (ख) उक्त पुरस्कार ऐसे खेल या प्रतियोगिता के आयोजकों द्वारा, अग्रिम रूप में, अर्थात् ऐसा खेल या प्रतियोगिता आयोजित किए जाने से पूर्व घोषित किया गया है ; और
- (2) आयातकर्ता आयात के समय और स्थान पर सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को इस आशय का वचनबद्ध देता है कि उक्त माल उसके कब्जे, नियंत्रण और उपयोग में रहेगा और आयात की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि के लिए न तो उसका विक्रय किया जाएगा और न ही अलग किया जाएगा ।

[फा. सं. 463/31/85-सीमाशुल्क-5]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 30th March, 1985

## NOTIFICATION

No. 115/85-CUSTOMS

G.S.R. 330(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts prizes won by any member of an Indian team, participating with the approval of the Government of India in the Department of Youth Affairs and Sports in any international tournament or competition in relation to any sports or games, when imported into India, from—

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act;

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer at the time of clearance produces a certificate from an officer not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India in the Department of Youth Affairs and Sports to the effect that,—
  - (a) the importer is a member of an Indian team which participated, with the approval of the said Department, in an international tournament or competition in relation to any sports or games and has won the prize in such tournament or competition; and
  - (b) the said prize has been announced in advance, that is to say, before such tournament or competition has been held, by the organisers of such tournament or competition; and
- (ii) the importer gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time and place of importation to the effect that the said goods shall remain in his possession, control and use and shall not be sold

or parted with for a period of five years from the date of importation.

[F. No. 463/31/85-Cus.V]

अधिसूचना

सं. 116/85-सीमाशुल्क

भा. का. नि. 331(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1985 के खण्ड 43 के उप-खण्ड (4) के, जो खण्ड अनन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त वित्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 95-सीमाशुल्क तारीख 17 मार्च, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 232 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“233 सं. 115/85-सीमा-शुल्क, तारीख 30 मार्च, 1985।”

[सं. एफ. 463/31/85-सी. श. 5]

राजेंद्र प्रकाश, अवर सचिव

## NOTIFICATION

No. 116/85—CUSTOMS

G.S.R. 331(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of Clause 43 of the Finance Bill, 1985, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 95-Customs, dated the 17th March, 1985, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 232 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entry shall be inserted, namely :—

“233 No. 115/85-Customs dated 30th March, 1985.”

[No. F. 463/31/85-Cus.V]

RAJENDRA PRAKASH, Under Secy.